भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4892

23 जुलाई, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: टिड्डियों की शुरुआत

4892. श्री बिद्युत बरन महतोः

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः

श्री सुधीर गुप्ताः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों ने हाल ही में टिड्डियों के हमले की संभावना और इससे निपटने के लिए संभावित संयुक्त कार्रवाई पर चर्चा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस चर्चा में क्या निर्णय लिया गया है;

(ग) क्या पाकिस्तानी सीमा के सन्निकट सभी जिलों में सरकार द्वारा अलर्ट जारी किया गया है और इस स्थिति से निपटने के लिए सर्वेक्षण कराया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उष्णकटिबंधीय टिड्डों के किसी बड़े हमले से निपटने के लिए टिड्डा चेतावनी संगठन (एल॰डब्ल्यू॰ओ॰) ने तैयारी शुरू कर दी थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): अनुसूचित मरूस्थली क्षेत्र जो तीन राज्यों अर्थात राजस्थान, गुजरात और हरियाणा में फैला है, मरूस्थलीय टिड्डी के लिए एक ग्रीष्म कालीन प्रजनन क्षेत्र है। टिड्डी के प्रजनन का मौसम प्रत्येक वर्ष में जून/जुलाई से अक्तूबर/नवंबर तक होता है। टिड्डियों का दल सामान्यत: हवा की दिशा में उड़ता है और पाकिस्तान के जरिए भारत के अनुसूचित मरूस्थलीय क्षेत्र में प्रवेश करता है। टिड्डी की घुसपैठ की निगरानी रखने के लिए टिड्डी मौसम के दौरान प्रत्येक माह (एक वर्ष में 6 बैठकें) में भारत और पाकिस्तान के टिड्डी अधिकारियों के बीच संयुक्त बैठक आयोजित की जाती है ताकि टिड्डी की स्थिति से संबंधित सूचना का आदान-प्रदान किया जा सके। हाल ही में ऐसी दो संयुक्त बैठकें 19 जून और 17 जुलाई, 2019 को क्रमश: मुनाबाओ (भारत) और खोखरापार (पाकिस्तान) सीमा पर आयोजित की गईं। दोनों देशों ने टिड्डियों की घुसपैठ की जानकारी और उनके द्वारा लिए गए नियंत्रण उपाय साझा किए तथा उनके क्षेत्रों में नियंत्रण अभियान जारी रखने पर सहमति व्यक्त की है।

(ग) जी, हाँ। पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान, गुजरात और हरियाणा राज्य के सभी जिलों में सरकार की ओर से चेतावनी जारी कर दी गई है तथा टिड्डी आक्रमण से निपटने के लिए नियमित सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों, मुख्य रूप से राजस्थान राज्य के जैसलमेर जिले में 21 मई, 2019 के बाद से मरूस्थली टिड्डों द्वारा लगातार आक्रमण जारी है। राजस्थान के बाड़मेर, जालोर, जोधपुर तथा बीकानेर जिलों और गुजरात के बनासकांठा जिले में भी इनकी उपस्थिति दर्ज की गई है। 17 जुलाई, 2019 तक, 52460 हेक्टेयर क्षेत्र (जैसलमेर - 35840 हेक्टेयर, बाड़मेर - 7720 हेक्टेयर, जालोर-1300 हेक्टेयर, जोधपुर - 2100 हेक्टेयर, बीकानेर - 3300 हेक्टेयर और बनासकांठा - 2200 हेक्टेयर) का सर्वेक्षण किया गया है।

(घ) मरूस्थलीय टिड्डियों की घुसपैठ से निपटने के लिए टिड्डी चेतावनी संगठन द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. दिनांक 17 जुलाई, 2019 तक उक्त संक्रमण के विरूद्ध पीड़कनाशक का छिड़काव करके कुल 19153 हेक्टेयर क्षेत्र (जैसलमेर - 14509 हेक्टेयर, बाड़मेर - 1822 हेक्टेयर, जालोर - 414 हेक्टेयर, जोधपुर - 593 हेक्टेयर, बीकानेर - 1300 हेक्टेयर और बनासकांठा - 515 हेक्टेयर) का उपचार किया गया है।

ii. टिड्डी चेतावनी संगठन/मंडल कार्यालयों के कर्मचारी रेगिस्तानी टिड्डियों की रोकथाम करने के लिए नियमित सर्वेक्षण और नियंत्रण कार्य कर रहे हैं।

iii. नियंत्रण और सर्वेक्षण कार्यों में सहायता के लिए विभिन्न मंडल कार्यालय में कुल 177 अधिकारी (पौध सरंक्षण संगरोध निदेशालय से 52 अतिरिक्त अधिकारी) और 54 वाहन (पौध सरंक्षण संगरोध निदेशालय से 10 अतिरिक्त वाहन तथा राज्य द्वारा दिए गए 22 वाहन) तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी संक्रमित क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं और नियंत्रण कार्यों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

iv. इसके अलावा, राजस्थान राज्य कृषि विभाग ने टिड्डी नियंत्रण कार्यों में सहायता करने के लिए जैसलमेर जिले में विभिन्न कार्यालयों में कृषि पर्यवेक्षक, कृषि अधिकारियों और सहायक कृषि अधिकारियों सहित 77 कर्मचारियों को नियुक्त किया है। राज्य सरकार ने भी टिड्डियों की स्थिति का लगातार आकलन और निगरानी करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल करते हुए विभिन्न दल गठित किए हैं।

v. राज्य के कृषि अधिकारियों और किसानों के लिए विभिन्न मंडल कार्यालयों द्वारा विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

vi. वन विभाग, सीमा सुरक्षा बल, राज्य कृषि विभाग, जिला प्रशासन और ग्राम सभा/पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखा जा रहा है।

*****